नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

मानवाधिकार दिवस पर परिचर्चा

मानवाधिकार को पल्लवित करने गांधी का अनुसरण करें – प्रो. मोदी

वर्धा, 13 दिसंबर : मानवाधिकार को पुष्पित और पल्लवित करने के लिए हमें महात्मा गांधी जी का अनुसरण करना चाहिए। गांधी जी अधिकार पक्ष और कर्तव्य पक्ष दोनों को बराबर महत्व देते थे। आज हम अधिकार पक्ष की बात करते हैं पर कर्तव्य पक्ष को दरकिनार कर देते हैं, अब इसके सुधार की आवश्यकता है। उक्त विचार संस्कृति विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस (10 दिसंबर) के मौके पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी

विश्वविद्यालय वर्धा के गांधी और शांति अध्ययन विभाग में आयोजित परिचर्चा में कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि 'खुद पर अनुशासन, फिर शासन' की प्रक्रिया लोकतंत्र के लिए जरूरी है। यूएनओ की स्थापना का मुख्य लक्ष्य 'शांति' है। भारत की न्यायिक प्रक्रिया भले ही लंबी है पर सकारात्मक है, जबकि गल्फ़ देशों की न्यायिक प्रक्रिया उचित नहीं है। अगर दुनिया के अन्य देशों की बात करें तो नार्वे में एक भी कैदी नहीं हैं। विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राकेश मिश्र ने कहा कि मनुष्य ने जितना विकास किया है, उसका उतना ही पतन हुआ है। समाज में बढ़ते अपराधों पर उन्होंने कहा कि आज हम इतने पतित होते जा रहे हैं कि मानवाधिकार दिवस नहीं मानवधिक्कार दिवस मनाया जाना चाहिए।

विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनोज कुमार राय ने स्व-नियंत्रण पर ज़ोर देते हुए कहा कि सबकुछ अपने से शुरू किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अन्य विभागों से शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी ने समाज में महिलाओं के प्रति बढ़ती हिंसा को चिंताजनक बताते हुए अपनी बात रखी। कार्यक्रम का संचालन गांधी और शांति अध्ययन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. चित्रा माली ने किया और धन्यवाद ज्ञापन सहायक आचार्य डॉ. डी.एन. प्रसाद ने प्रस्तुत किया।